

Проректор по ОД и МР

(ОЧНАЯ, ОЧНО-ЗАОЧНАЯ ФОРМЫ ОБУЧЕНИЯ)

А.Л. Тарасов

"18" июня 2025 г.

	Сентябрь				Октябрь				Ноябрь				Декабрь				Январь				Февраль				Март				Апрель				Май				Июнь				Июль				Август								
пт	1	8	15	22	29	6	13	20	27	3	10	17	24	1	8	15	22	29	5*	12	19	26	2	9	16	23*	2	9*	16	23	30	6	13	20	27	4	11	18	25	1	8	15	22	29	6	13	20	27	3	10	17	24	31
вт	2	9	16	23	30	7	14	21	28	4*	11	18	25	2	9	16	23	30	6*	13	20	27	3	10	17	24	3	10	17	24	31	7	14	21	28	5	12	19	26	2	9	16	23	30	7	14	21	28	4	11	18	25	
ср	3	10	17	24	1	8	15	22	29	5	12	19	26	3	10	17	24	31*	7*	14	21	28	4	11	18	25	4	11	18	25	1	8	15	22	29	6	13	20	27	3	10	17	24	1	8	15	22	29	5	12	19	26	=
чт	4	11	18	25	2	9	16	23	30	6	13	20	27	4	11	18	25	1*	8*	15	22	29	5	12	19	26	5	12	19	26	2	9	16	23	30	7	14	21	28	4	11	18	25	2	9	16	23	30	6	13	20	27	=
пт	5	12	19	26	3	10	17	24	31	7	14	21	28	5	12	19	26	2*	9	16	23	30	6	13	20	27	6	13	20	27	3	10	17	24	1*	8	15	22	29	5	12*	19	26	3	10	17	24	31	7	14	21	28	
сб	6	13	20	27	4	11	18	25	1	8	15	22	29	6	13	20	27	3*	10	17	24	31	7	14	21	28	7	14	21	28	4	11	18	25	2	9*	16	23	30	6	13	20	27	4	11	18	25	1	8	15	22	29	=
вс	7	14	21	28	5	12	19	26	2	9	16	23	30	7	14	21	28	4*	11	18	25	1	8	15	22	1*	8*	15	22	29	5	12	19	26	3	10	17	24	31	7	14	21	28	5	12	19	26	2	9	16	23	=	
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	

[illegible]

Все направления (ОЧНО-ЗАОЧНО)	1	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	*	18	19	Э	Э	К	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	Э	Э	К	К	К	К	К	К	К	К	—	1	Все направления (ОЧНО-ЗАОЧНО)
----------------------------------	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	----	----	----	----	----	----	----	---	----	----	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	----------------------------------

18	19	20	21	22	23	24	25	26	F	F	F	F	F	F	F	F
----	----	----	----	----	----	----	----	----	---	---	---	---	---	---	---	---

21.03.02	3	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	*	18	19	20	21	22	23	Ბ	Ბ	Ბ	კ	კ	კ	კ	კ	კ	კ	კ	კ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ	პ</
----------	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	----	----	----	----	----	----	----	---	----	----	----	----	----	----	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	-----

[illegible][illegible][illegible]

19.03.03	3	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	Э	*	Э	Э	К	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	Э	Э	Э	П	П	П	П	П	П	К	К	К	К	К	К	К	=	3	19.03.03	
	4	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	*	18	Э	Э	Э	К	П	П	П	П	П	П	П	П	П	П	П	П	П	П	Э	К	Л	Л	Л	Л	Л	Л	К	К	К	К	К	К	К	=	4			
36.03.02	3	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	Э	*	Э	Э	К	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	Э	Э	Э	П	П	П	П	П	П	К	К	К	К	К	К	К	=	3	36.03.02	
	4	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	*	18	19	20	Э	Э	Э	К	П	П	П	П	П	П	П	П	П	П	П	П	П	П	Э	К	Л	Л	Л	Л	Л	К	К	К	К	К	К	К	=	4		
36.05.01	3	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	Э	*	Э	Э	К	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	Э	Э	Э	П	П	П	П	К	К	К	К	К	К	К	К	=	3	36.05.01		
	4	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	Э	*	Э	Э	К	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	Э	Э	Э	П	П	П	П	К	К	К	К	К	К	К	К	=	4			
	5	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	Э	Э	К	*	К	П	П	П	П	П	П	П	П	П	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	Э	Э	К	Г	Г	Г	Г	К	К	К	К	К	К	К	=		5	
36.04.02	2	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	*	18	19	20	21	22	23	24	Э	Э	Э	К	К	П	П	П	П	П	П	П	П	П	П	К	Л	Л	Л	Л	К	К	К	К	К	К	К	К	=	2	36.04.02	
v36.05.01 (от-заоч.)	2	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	*	18	Э	Э	К	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	Э	Э	У	У	У	У	К	К	К	К	К	К	К	К	=	2	v36.05.01 (от-заоч.)
	3	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	*	Э	Э	К	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	Э	Э	П	П	П	П	К	К	К	К	К	К	К	К	=	3			

Обозначения:

1 – теоретическое обучение
практики

1	теоретическое обучение и рассредоточенные практики
---	---

Э – экзаменационная сессия

У	П	– учебная / производственная практика
---	---	---------------------------------------

Г – государственные экзамены

Д – защита выпускной квалификационной работы

К – каникулы

Статей 112 Трудового кодекса Российской Федерации устанавливает следующие нерабочие праздничные дни в Российской Федерации: 1, 2, 3, 4, 5, 6 и 8 января – Новогодние каникулы; 7 января – Рождество Христово; 23 февраля – День защитника Отечества; 8 марта – Международный женский день; 1 мая – Праздник Весны и Труда; 9 мая – День Победы; 12 июня – День России; 4 ноября – День народного единства. При совпадении выходного и рабочего праздничного дня выходной день переносится на другие дни федеральным законом или нормативным правовым актом Правительства Российской Федерации. Перенос выходных дней осуществляется в соответствии с приказом ректора Университета.